(ख) एक विवरण संलग्न है। राज्यों/संघ राज्य-क्षत्रों के उद्योग निदेशकों से प्राप्त 6796 आवेदनपत्रों पर खनिज तथा धातु व्यापार निगम द्वारा 5628 लाइसेंस/निकासी आदेश जारी किये गये हैं। जारी किये गये आयात लाइसेंसों के ब्यौरे "वीकली बुलेटिन आफ इंडस्ट्रियल लाइसेंसिज इम्पोर्ट लाइसेंसिज एण्ड एक्सपोर्ट लाइसेंसेज" में प्रकाशित किये जाते हैं और इनकी प्रतियां संसद् पुस्तकाल में उपलब्ध हैं।

विवरण

उद्योग निदेशक द्वारा प्रायोजित आयात-लाइसेंसों हेतु राज्यवार आवदनपत्रों की संख्या दिखाने वाला विवरण देखिए सार्वजनिक सूचना सं० 155 आई० टी० सी० (पी० एन०)/66 दिनांक 17-12-66।

क्रमांक	राज्य	प्राप्त आवेदन पत्रों की संख्या
1	2	3
1.	पश्चिमी बंगाल	631
2.	बिहार	59
3.	उड़ीसा	362
4.	त्रिपुरा	1
5.	मद्रास	304
6.	आन्ध्र प्रदेश	140
7.	हरियाणा	431
8.	नागालैंड	1
9.	पांडिचरी	45
10.	गोवा दमन	29
11.	दादरा तथा नागर हवेली	3
12.	गुजरात	176
13.	जम्मू तथा काश्मीर	58
14.	महाराष्ट्र	326
15.	मध्य प्रदेश	217
16.	राजस्थान	128
17.	हिमाचल प्रदेश	22
18.	दिल्ली	436
19.	चण्डीगढ़	41
20.	पंजाब	819
21.	केरल	129
22.	मैसूर	850
23.	असम	11
24.	यू० पी०	1573
25.	मणिपुर	4
	योग	6796

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

Export Programme

4142. SHRI C. JANARDHANAN:
SHRI K. HALDER:
DR. RANEN SEN:
SHRI J. M. BISWAS:
SHRI VASUDEVAN NAIR:
SHRI SITARAM KESRI:
SHRI K. P. SINGH DEO:

Will the Minister of FOREIGN TRADE AND SUPPLY be pleased to state:

(a) whether Government have prepared a blueprint for exports in which several limiting factors in the export drive in the coming three or four years have been listed;

(b) if so, the limiting factors listed in the documents; and

(c) the steps suggested to eliminate these limiting factors?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE AND SUPPLY (SHRI CHOWDHARY RAM SEWAK): (a) and (b). The Draft Fourth Five Year Plan 1969—74 (a copy of which has already been laid on the Table of the House) envisages that the aggregate export earnings would be of the order of Rs. 8300 crores (para 4.38) during the Fourth Plan period the various measures that would need to be taken in order to achieve export earning of this magnitute are listed in paras 4.39 to 4.44 of the Draft Fourth Plan. Continuing

assessment is made by Government to identify the limiting factors in the export drive; they vary from one product to another and for the same product from time to time. Primarily the following constraints tend to act as limiting factors in the expansion of exports; (a) changing pattern of external demand, (b) commercial policies of other countries (c) inadequacy of domestic production in some sectors (d) high cost of raw materials particularly for industrial products, (e) rising home demand and (f) inadequacy of marketing effort.

(c) The major steps to overcome these limitations are:

(i) expanding the production base in the country with a view to generate export surpluses and offset the pull of the home market.

(ii) temporary restraints on domestic consumption in the event of inadequate export surpluses.

(iii) supply of raw materials at international prices so as to reduce the cost of production particularly in the case of industrial products.

(iv) product development and adaptation.

(v) stepping up overseas marketing efforts.

(vi) bilateral and multilateral efforts to bring about appropriate adjustment of commercial policies of other countries.

निर्यात व्यापार

4143. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :** क्या वैदेशिक-व्यापार तथा पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत दो वर्षों में निर्यात व्यापार में और कितनी प्रगति हुई है ;

(ख) क्या कुछ देशों के साथ व्यापार में कमी भी हुई है ;

(ग) यदि हां, तो इसके कारण क्या हैं ; और

(घ) उन देशों के साथ व्यापार सम्बन्धों को सुधारने की सरकार की क्या नीति है जिनका भारत के साथ कोई राजनयिक सम्बन्ध नहीं है ?

वैदेशिक-व्यापार तथा पूर्ति मंत्रालय में उपमंत्री (श्री चौधरी राम सेवक) : (क) गत दो वर्षों में भारत के निर्यातों में जिनमें पुनर्निर्यात भी शामिल हैं 17.6 प्रतिशत वृद्धि हुई अर्थात वे 1966-67 के 1156.5 करोड़ से 1968-69 में बढ़कर 1360 करोड़ के हो गये ।

(ख) और (ग) : हमारा व्यापार सन्तुलन कतिपय विकासशील देशों के साथ अपने उद्योगों के लिये कच्चे माल के लिये पराश्रित होने के कारण तथा कतिपय विकसित देशों के साथ पूंजीगत माल मशीनों, फालतू पुर्जों आदि के लिये उन पर आश्रित होने के कारण प्रतिकूल रहा ।

(घ) दक्षिण अफ्रीका, उ० रोडेशिया अंगोला, मोजम्बीक तथा पुर्तगाल आदि कतिपय ऐसे देश हैं जिनके साथ न तो हमारा व्यापार है और न राजनयिक सम्बन्ध ही है । इसके अतिरिक्त ऐसे देशों के साथ जिनके भारत के साथ कोई राजनयिक सम्बन्ध नहीं हैं व्यापार पर कोई प्रतिबन्ध नहीं है ।

भारतीय सीमाओं पर चीन और पाकिस्तान की सैनिक गतिविधियों में वृद्धि

4144. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :**
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री गार्डिलिंगन गौड :
श्री अब्दुल गनी दार :
श्री महन्त दिग्विजय नाथ :
श्री एम० एस० ओबराय :
श्री न० रा० देवघरे :

क्या प्रतिरक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय सीमाओं पर सैनिक